as tourist centres and also in Mangalore and Mercara?

SHRI A. P. SHARMA: Sir, the whole of Karnataka has been divided into two travel circuits and these two travel circuits consist of 16 centres. They are as follows:—

Travel circuit No. 1: Belgaum-Bijapur-Badami-Pattadakal-Aihole-Hospet-Hampi and then back to Bangalore.

Travel circuit No 2: Bangalore-Mysore-Bandipur-Nagarhole-Hassan-Halabid and Sravanbelgola-Mercara-Mangalore and West coast beaches.

SHRI JANARDHANA POOJARY: I asked which are the places in the West Coast.

MR. SPEAKER: Question No. 188.

12 per cent Hike in IA Fares

*188. SHRI PIUS TIRKEY:

SHRI MANI RAM BAGRI:

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the news appeared in the 'Indian Express' dated 30th Juy, 1981 about "12 p.c hike in I.A. fares";

(b) if so, what are the reasons of the hike and how many times this hike has come into being during the last three years; and

(c) whether Government intend to take some positive steps to check hikes again and again?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI CHANDULAL CHANDRAKAR): (a) Yes, Sir. Indian Airlines has increased the fares by only 5 per cent with effect from 1st August, 1981. In addition the Fuel Surcharge has been increased by 7 per cent due to increase in the cost of fuel.

(b) A statement giving the requisite information placed on the table of the House.

(c) The hikes in fuel surcharge and fares are due to increases in fuel prices and in various items of operational expenditure. As and when there is a hike in fuel price or the cost of operation goes up, revision of the fuel surcharge and fares become inescapable.

Statement

(b) The reason for the hike in fares by 5 per cent is due to increase in expenditure on Landing and Parking charges, materials consumed, food supplied on flights and other expenditure due to revision in rates and general increase in prices The 7 per cent increase in fuel surcharge is on account of increase in fuel price. The increases in passenger fares and fuel surcharge by Indian Airlines during the last three years are as under—

A. Passenger Fares Increase

Year	Percentage Increase	
	Domestic	International
1978-79 . .	Nil	7% (effective April, 78
1979-80 . .	30% (effective November, 1979)	7% (effective May, 79, 9% (effective Sept., 79) 3% (effective Feb., 80)
1980-81 . .	Nil	9% (effective April, 80) 3% (effective October, 80,

B. *Fuel Surcharge*

Year	Percentage Increase	
	Domestic	Dollar Fares
1980-81 .	25% onfares below Rs. 350/-and 20% on fares above Rs. 350/-(effective June, 80)	25% uniform increase on dollar fares (effective June, 80)
	5% on fares above Rs. 350/-(effective January, 1981)	

SHRI PIUS TIRKEY: Indian Airlines sources had claimed immediately after the most recent increase in the prices of aviation turbine fuel of Rs. 335/- per kilolitre that it would push up its fuel bills for 1981-82 from Rs. 146 crores to Rs. 175 crores, which amounts to 20 per cent increase when the price of A. T. F. is of the order of 8.5 per cent only.

May I ask the hon. Minister whether it is not a fact that I.A.'s pricing strategy over the last two years shows that it has been raising fares by more than what was warranted by the rise in its fuel cost? The Airline"s tariffs are now almost double of what they were till 1979 And is it not a fact that the recent fare hikes is an attempt to cover up some miscalculation in planning the airline's expansion?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI A. P. SHARMA): Sir, I do not know how my friend has come to this conclusion and how he has calculated.

MR. SPEAKER: How can he divulge this secret to you?

SHRI A. P. SHARMA: But, for the information of the hon. House, I place the following facts and from this it would appear that in respect of the fuel surchage and also the fare increase, the Indian Airlines has been very reasonable The total estimated revenue earning for 1980-81 is Rs. 306 crores, dollar fare as well as revenue on regional international service is Rs. 117 crores, revenue from domestic passengers only is Rs. 189 crores. Additional burden due to increases in fuel prices is Rs. 13.15 crores. Fuel surcharge in terms of percentage works out on the basis of this amount of Rs. 189 crores Revenue increase for domestic passengers is 7 per cent.

Sir, we have not increased so far as the doller fare is concerned and in this way you will see that we have increased this fuel surcharge to the minimum just to meet the cost of increase in the price of fuel.

In respect of fare increase, it should be 8 per cent and in terms of rupees it should be Rs. 15 crores. What we have increased is only 5 per cent and the total increase work out to Rs. 23.15 crores both surcharge and fare increase.

श्री पीयूष तिरकी : अध्यक्ष महोदय, इंडियन एअर लाइन्स सरकारी प्रतिष्ठान हैं और यहां पर सरकार लेम एक्सक्यूज लेकर फेयर बढ़ा रही है । ऐसी स्थिति में जो रिक्शा-पूलर है, स्कूटर ड्राइवर है या गैर सरकारी प्रतिष्ठान के दूसरे लोग हैं वे क्या सरकार की इस नीति से मनमाने तरीके पर दाम बढ़ाने के लिए उत्साहित नहीं होंगे? हालांकि एक ओर सरकार प्राइसेस चैक करने की चेष्टा करने का दावा कर रही है । ऐसी स्थिति में मैं जानना चाहूंगा :

What steps are being taken by Indian Airlines to check hike in fares and the drop in the rates of utilisation of its aircraft?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : माननीय सदस्य ने हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में ही प्रश्न किया है । पहले तो उन्होंने जो हिन्दी में प्रश्न किया है उसका उत्तर देना चाहता हूं ।

अध्यक्ष महोदय : तरल पदार्थ के लाभ गरिष्ठ पदार्थ का मिश्रण अच्छा नहीं लगा क्या ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : उन्होंने जो लेम एक्सक्यूज की बात कही वह सही नहीं है, मैंने आंकड़े दिए हैं कि किस कारण से यह करना पड़ा है । जहांतक कैपेसिटी यूटिलाइजेशन का सवाल है, हम इसपर नजर रखे हुए हैं और इसका पूरा-पूरा उपयोग हम करेंगे ।

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष जी, मन्त्री महोदय के मिजाज काफी बिगड़ गए हैं ।

अध्यक्ष महोदय : सवाल यही है क्या?

श्री मनीराम बागड़ी : मैं पहले जवाब दूंगा फिर सवाल करूंगा ।

अध्यक्ष जी, सिर्फ यह दलील देकर कि मंहगाई बढ़ी है, किराया बढ़ाना सत्य से दूर है, क्योंकि स्टाफ को बढ़ाये जायेंगे । स्टाफ में भी कौन ? कलम घिसाऊ और हुक्म चलाऊ । इसी तरह किसी मंत्री का विदेश का दौरा हो तो उसमें खर्चा । और जो विदेशों में दफ्तर हैं शाही ठाठ के उनका खर्चा । इसके अलावा यह जो लोकसभा है जिसके आप अध्यक्ष हैं, आपकी क्या तनख्वाह है और एक मैनेजर की क्या तनख्वाह है - यह भी आप देख लीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : आप सवाल करिए ।

श्री मनीराम बागड़ी : मंत्री की खुद की तनख्वाह क्या है और हुक्म चलाऊ नौकर हैं उनकी तनख्वाह क्या है - यह भी आप देख लीजिए । यह जो फिजूल के खर्चे हैं उनको घटाने की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जाता है । यह सही है कि विदेशों में हमारे हवाईजहाजों के सफर की प्रतिष्ठा बनी हुई है, लोग अन्य विदेशी सेवाओं के मुकाबले में हमारे हवाई जहाजों में सफर करना पसन्द करते हैं लेकिन अब जो स्थिति बिगड़ रही है इसके संम्बन्ध में मैं जानना चाहता हूं क्या शर्मा जी एक इशरत की जिन्दगी छोड कर जमीन पर ध्यान देकर कुछ सुधार करने का यत्न करेंगे ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा मिजाज और लोगों के लिए शायद कभी बिगड़ जाए तो बिगड़ जाए लेकिन बागड़ी जी के लिए कैसे बिगड़ सकता है ?

उन्होंने अपने प्रश्न में कुछ कर्मचारियों की बढ़ोत्तरी की बात कही है । इस माननीय सदन को मालूम होना चाहिए कि पिछले वर्षों में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने में करीब-करीब एक रुकावट सी पैदा की गई है और इस प्रकार से हमने काफी एकोनामी बरती है, जहां तक कि कर्मचारियों की भर्ती का सवाल है । माननीय सदस्य ने दो तरह के कर्मचारियों का अभी जिक्र किया है---एक कलम घिसाऊ और दूसरे हुक्म चलाऊ ।

अध्यक्ष महोदय : इसमें एक और जोड़ दीजिए---डंग टपाऊ ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : पिछले वर्षों में कर्मचारियों में वृद्धि नहीं हुई है ।

बागड़ी जी का मैं इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इसका जिक्र किया कि विदेशों में जो हमारी हवाई सेवा चलती है वह पसन्द की जाती है । लेकिन इनकी सूचना के लिए मैं कहना चाहता हूं कि उसमें किसी प्रकार के भाड़े में वृद्धि नहीं हुई है ।

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष जी मैं पूछना चाहता हूं कि मैनेजर की तनख्वाह कितनी आई है ? जितनी आपके प्राइम मिनिस्टर की नहीं है, उतनी मैनेजर की है ।

अध्यक्ष महोदय : यह तो मिनिस्टर साहब की महानता है कि वे इनकी तनख्वाह से आगे बढ़ गए हैं ।

श्रीमती प्रेमिला बंडवते : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने मंजूर किया है कि पांच परसेंट प्राइस-हाइक हुआ है । प्राइम-हाइक एक बाजू से होता है और दूसरी बाजू में सर्विसेज में डिटिरियोरेशन है, एक तो खाना गन्दा मिल रहा है, इनस्पिड-आमलेट हमेशा ही मिला है । मुझे यह भी पूछना है कि प्रधान मंत्री ने कहा है कि हमारी एयर-होस्टेजिज का ब्यूटी-स्टैंडर्ड भी गिर रहा है और एयर-होसटेज कोर्ट में केस कर रही

है, उनके रिटायरमेंट में डिसक्रिमिनेशन है। एक तो मुझे यह पूछना है कि आप खाने में क्या सुधार करेंगे और दूसरा सवाल, जैसा कि एयर-होस्टेज कोर्ट में गई हैं और इस प्रकार का कहना है कि "Our Air Hostesses are losing face and figure and the standard of beauty is declining."

क्या यह कोर्ट के मैजिस्ट्रेट के लिए प्रेजुडिशियल तो नहीं होगा ?

अध्यक्ष महोदय : शर्मा जी, मेरी एक राय है, जब सिलैक्शन हो तो उसमें मेरी इन बहनों का बोर्ड बना दें।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : जहां खाने-पीने के सुधार की बात है मालूम नहीं कि कब आपने एयर-प्लेन में खाना खाया है। हम सुधार करने की सब तरह से कोशिश कर रहे हैं और इस संबंध में जो और माननीय सदस्य के सुझाव हों तो उस पर हम जरूर विचार करेंगे और सुधार करने की कोशिश करेंगे। मुझे नहीं मालूम है कि इन्होंने कहां से इस बात को कहा है...

श्रीमती प्रमिला दंडवते : यह 22 जून के "इंडियन-एक्सप्रैस" में है।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : जो आपने कहा है मैं उसके संबंध में कुछ नहीं कह सकता हूं, लेकिन जो भी अखबारों में छपता है, उसके आधार पर इस तरह का ब्यान जो माननीय सदस्या ने दिया है, वह ठीक नहीं है, क्योंकि इस संबंध में हमारी प्रधान मंत्री महोदया ने इस तरह का कोई विचार व्यक्त नहीं किया है।

जहां तक एयर-हासटेज के केस का सवाल है, वह तो अभी कोर्ट में विचाराधीन है। उसके संबंध में मैं कुछ और नहीं कह सकता हूं।

अध्यक्ष महोदय : परमार जी बहुत उतावले हैं।

श्री हीरा लाल आर. परमार : माननीय अध्यक्ष जी, मैं उतावला इसलिए हूं, क्योंकि यह प्रश्न ही ऐसा है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इंडियन-एयरलाइन्स और एयर-इंडिया बम्बई में जो ठेकेदारी प्रथा में 450 स्वीपर कर्मचारी 6.50 रु. रोज पर पन्द्रह साल से काम कर रहे हैं, उनको आप कब तक नौकरी देंगे? हमारे देश से अंग्रेज चले गए, राजशाही चली गई, लेकिन ठेकेदारी प्रथा अभी तक समाप्त नहीं हुई है।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय सदस्य ने पूछा है, यह प्रश्न इस प्रश्न से नहीं उठता है, लेकिन मैं माननीय सदस्य को यह आश्वासन देना चाहता हूं कि इंडियन-एयरलाइन्स और एयर-इंडिया में जहां तक स्वीपर का सवाल है, जो ठेकेदारी प्रथा है, वह हटा दी गई है और जहां पर है, उसको हटाने की कोशिश हो रही है। लेकिन कहीं-कहीं पर पूरे समय के लिए जहां काम नहीं है, उस काम के लिए अभी ठेकेदारी प्रथा चल रही है, यह मुझे मालूम है। हम इस बात की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसी जगहों पर ठेकेदारी प्रथा समाप्त हो।

MR. SPEAKER: Please address the Chair. I cannot allow direct confrantation between the Minister and the Member.

श्री रामविलास पासवान : क्या यह सही है कि दिल्ली में जो एशियन गेम्स होने वाले हैं, उसमें 200 अधिकारियों को मुफ्त ट्रेवल पासेज दिये गये हैं ? उन पासेज से वे दुनिया के किसी भी कोने में जब चाहे जा सकते हैं या आ सकते हैं। इन से सरकार को कितना घाटा होगा तथा ऐसे कितने पासेज जारी किये गये हैं ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : इस में अधिकारियों का सवाल नहीं है। इस में एशियन गेम्ज के सम्बन्ध में जो काम चल रहा है उसके सम्बन्ध में ये मैन्डेटरी पैसेज दिये गये हैं . . .

श्री रामविलास पासवान : कितने दिये हैं ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : जैसा आप ने कहा है-200 दिये हैं।

श्री मधु दण्डवते : इस में गलती है, 199 दिये हैं ।

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री : माननीय सदस्य ने 200 कम कहा है, बल्कि 200 से ज्यादा दिये गये हैं । क्या आप उनकी सही संख्या बतायेंगे ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैं क्या कहने जा रहा हूं उस को आप सुनिये ।

अभी 200 किया है, आगे ज्यादा भी करना हो सकता है ।

श्री रामविलास पासवान : इस में लास कितना होगा ?

अध्यक्ष महोदय : वह तो जाना ही होगा, चाहे उसके लिये पास दो या वैसे जाओ ।

श्री रामविलास पासवान : घाटा कितना होगा ?

SHRI RATANSINH RAJDA: The Chairman of the Indian Airlines has said that 85% of the passengers are travelling on Government account of tax deductable Company account Because of this, unbearable burden is created on the passengers who belong to middle-class when in cases of emergency like ill-ness or death of relatives, they have to go immediately and are compelled to fly by Indian Airlines. All these middle-class people are the victims and the sufferers. Will the Hon. Minister kindly let me know whether the Government would run to the rescue of these middle-class people and take measures to see that this unbearable burden is not imposed on these middle-class travellers?

SHRI A. P. SHARMA: I do not know what middle-class people are in the view of my friend.

सिगरेट निर्माताओं द्वारा उत्पाद शुल्क की चोरी रोकने के उपाय

*189 **श्री धर्मदास शास्त्री** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सिगरेट निर्माता कम्पनियों द्वारा की जाने वाली उत्पाद शुल्क की चोरी रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं,

(ख) क्या ये प्रयास सफल रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) भविषय में उत्पाद शुल्क की चोरी रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या विस्तृत उपाय करने का विचार है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सबाई सिंह सिसोदिया) : (क) से (घ). एक विवरण-पत्र सदन-पटल पर रखा गया है ।

विवरण

(क) एक मई 1979 से सिगरेट का निर्माण करने वाले कारखाने "वास्तविक नियंत्रण प्रणाली" के तहत काम कर रहे हैं जिसके अध्यधीन उनके उत्पादन तथा निकासी का वास्तविक रूप से निरीक्षण अधिकार-क्षेत्रीय केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिकारियों द्वारा किया जाता है । इसके अलावा, उत्पादन शुल्क्य अन्य वस्तुओं के मामले के अनुसार ही सामान्य रूप से आकस्मिक जांच, शुल्क-अपवंचन निवारण और लेखापरीक्षा संबंधी जांच की जाती है ।

(ख) कुल मिलाकर, उत्पादन की मात्रा को छिपाने एवं चोरी-छिपे निकासी के माध्यम से शुल्क-अपवंचन किए जाने का कोई मामला जानकारी में नहीं आया है । तथापि, न्यून-मूल्यांकन के माध्यम से किए गये शुल्क- अपवंचन का पता चला है । ऐसे मामले जांच अथवा विभागीय न्यायनिर्णयन के आधीन हैं अथवा न्यायालयों में विचाराधीन हैं ।

(ग) तथा (घ). कुछेक वस्तुओं में से "सिगरेट" एक ऐसी वस्तु है जो वास्तविक नियंत्रण प्रणाली के अध्यधीन है । यह प्रणाली स्वनिकासी कार्यविधि की बजाय काफी अधिक कठोर है जो अधिकांश उत्पादन शुल्क्य वस्तुओं पर लागू है ।